सांवरा बागों बणायो घने चाव से

सांवरा बागों बनायो, थारो घने चाव से,
सांवरा बागों बणायो, थारो घने चाव से....

सांवरा बागों बणायो घने चाव से,
पहरों पहरों जी, पहरों पहरों जी, ओ पहरों पहरों जी,
निरखा ला थाने श्याम,
बागों बणायो घने चाव से.... .

केसरिया बागे माही, गोटा को काम,
हीरा मोती माणिक पन्ना, जडाया म्हारा श्याम,
लटके लटके जी, लटके जी, ओ लटके लटके जी,
नेफा में लटकन चार,
बागों बणायो घने चाव से.....

उब्या रंगरेज कने, म्हे बागों रंगवाया,
पहनो जी श्याम मिजाजी, चाव सु ल्याया,
दिल की टालो ना, दिल की टालो ना, ओ दिल की टालो ना,
थे तो हो बड़ा दिलदार साँवरा,
बागों बणायो घने चाव से....

साँवरा बागों दिखावो, महान पहर के,
करली करली जी, करली कर ली जी, ओ कर कर ली जी,
कर ली कर ली जी गोलू की अर्जी स्वीकर,
बागों बणायो घने चाव से....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27857/title/sanwara-bago-banayo-ghane-Chav-Se

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |